1815 आंगनवाड़ी केंद्र, कई जर्जर, सुविधा को तरसे बच्चे

▶ पहले चरण में 690 केंद्रों पर लगने थे उपकरण, कागजों में सिमटी योजना

बड़वानी, (नवभारत)। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शुरू की गई सक्षम आंगनवाड़ी योजना जिले में कागजों में ही सिमट गई है। वर्ष 2024-25 तक जिले के 1815 में से 690 आंगनवाड़ी केंद्रों में आरओ प्यूरीफायर, स्मार्ट टीवी और पेनड्राइव जैसी सुविधाएं दी जानी हैं, लेकिन आज तक 690 केंद्र इन व्यवस्थाओं से वंचित हैं।

योजना का मकसद बच्चों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनके बौद्धिक और रचनात्मक विकास को बढ़ावा देना था। इसके लिए पेंटिंग सामग्री, शैक्षणिक खिलौने और अन्य शिक्षण संसाधन भी उपलब्ध कराए जाने थे, लेकिन जमीनी हकीकत उलट है। जिले के कई केंद्रों में बच्चे आज भी बुनियादी संसाधनों के बिना समय बिता रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और खराब हैं। वहां न पेयजल की व्यवस्था है और न ही डिजिटल संसाधनों का कोई अता-पता। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रक्रिया जारी है। केंद्रों में सुविधाएं पहुंचाने में करीब दो माह और लगेंगे।

केंद्रों का कायाकल्प अधूरा, 72 नए भवन स्वीकृत

जिले में 1815 आंगनवाड़ी केंद्र हैं। इनमें से 1200 विभाग के हैं, जिनमें कई भवन जर्जर हैं। इस साल 72 नए भवन स्वीकृत हुए हैं। 218 भवन किराए के और 397 केंद्र पंचायत भवन, सामुदायिक भवन जैसे शासकीय भवनों में चल रहे हैं। शासन को सभी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी योजना के तहत नया स्वरूप देना है। पहले चरण में 690 केंद्रों में स्मार्ट टीवी, पेनड्राइव, यूवी आरओ प्यूरीफायर लगने थे। यह काम 2024-25 में ही पूरा होना था, लेकिन विभागीय प्रक्रिया धीमी होने से अटका है। दूसरे और तीसरे चरण में बाकी केंद्रों पर उपकरण लगने हैं, लेकिन पहला चरण ही पूरा नहीं हुआ।

पिछले साल 70 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

लगातार हो रही देरी से अभिभावकों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। फिलहाल बच्चों को मिलने वाली सुविधाएं अधूरी हैं और योजना का लाभ जमीन पर उतरने का इंतजार कर रहा है। पिछले साल 70 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया गया था। इसमें शैक्षणिक किट और बुनियादी उपकरण शामिल थे। लेकिन कई केंद्र अब भी पूर्ण संसाधनों से वंचित हैं। सवाल यह है कि एक साल पहले प्रशिक्षण देने के बाद जरूरी सामग्री न मिलने से प्रशिक्षण कैसे कारगर होगा। जिले में 1815 केंद्र हैं। इनमें से 1200 विभाग के हैं, कई जर्जर हालत में। 218 किराए के भवनों और 397 पंचायत भवन, सामुदायिक भवन में चल रहे हैं। पहले चरण में 690 केंद्रों में उपकरण लगने थे, जो अब तक नहीं लगे। दूसरे-तीसरे चरण का काम कब होगा, यह भी तय नहीं।

दो माह में लगेंगे उपकरण

जिला कार्यक्रम अधिकारी रतनलाल गुंडिया ने कहा कि जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र योजना में आरओ प्यूरीफायर, पेनड्राइव, स्मार्ट टीवी लगने हैं। पहले चरण के 690 केंद्रों पर ये उपकरण दो माह में लग जाएंगे। यह काम 2024-25 में शुरू होना था, लेकिन शासन स्तर से प्रक्रिया धीमी होने से क्रियान्वयन में देरी हुई है।

> **जर्जर किराए के भवनों में केंद्र**
>
> जिले के कई आंगनवाड़ी केंद्र आज भी जर्जर और किराए के भवनों में चल रहे हैं। इनमें पर्याप्त जगह नहीं है और न ही बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण। भवनों की हालत खराब होने से हादसे का खतरा बना रहता है। किराए के भवनों में मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में आधुनिक सुविधाएं पहुंचाना चुनौती है, जिससे बच्चों के विकास पर असर पड़ रहा है।

नि :शक्त और वृद्धाश्रमों के लिए सेवा कार्य बने मिसाल

निवाली (नवभारत)। नगर के शासकीय महाविद्यालय में नि:शक्तजनों और वृद्धाश्रमों के कल्याण और सेवा भाव को प्रोत्साहित करने विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त आयोजन प्राचार्य डॉ. किरण तावड़े के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस सोसाइटी के अंतर्गत हुआ। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ पीसी किराड़े ने कहा कि इस सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के उन वर्गों तक सहायता पहुंचाना था, जो शारीरिक, मानसिक या आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।

> **सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का लिया संकल्प**
>
> प्रो नीलम डावर ने आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में इस तरह के सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। यह सेवा अभियान न केवल सहायता का माध्यम बना, बल्कि समाज में मानवता, करुणा व सहयोग की भावना को भी मजबूत करने का संदेश दे गया।

एक नजर में

नि :शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर कल

बड़वानी। लायंस क्लब बड़वानी सिटी और चोइथराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा 4 मई को जिला अस्पताल में नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। महेश जोशी ने बताया कि उक्त शिविर प्रभारी सीएमएचओ डॉ राजेश गुप्ता और सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन में सुबह 9.30 से दोपहर 1 बजे तक लगेगा। शिविर में चयनित मोतियाबिंद के मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए बस से इंदौर भेजा जाएगा। मरीज आधार कार्ड लेकर आए। क्लब ने अधिक लोगों को शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। क्लब द्वारा मरीजों और उनके परिजनों को शिविर वाले दिन नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

सड़क हादसों पर रोक के लिए पुलिस सख्त

बड़वानी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं आमजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में हैलमेट धारण को अनिवार्य बनाए जाने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हैलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए समझाईश दी जा रही है। एसपी ने कहा कि सभी नागरिकों से मेरा विनम्र आग्रह है कि अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

सैमसंग इंडिया लेकर आया सैमसंग फाइनेंस+ ऑफर्स

इंदौर. सैमसंग इंडिया अपने स्मार्ट होम अप्लायंसेज को देश भर के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए सैमसंग फाइनेंस+ के तहत नई योजनाएं लेकर आया है. अब उपभोक्ता सैमसंग के रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एसी और माइक्रोवेव जैसे उपकरण खरीदने के लिए आसान फाइनेंसिंग समाधानों का लाभ उठा सकते हैं. यह सेवा देश भर के 8,000 से अधिक स्टोर्स पर उपलब्ध है. ईएमआई के विकल्प मात्र 33 रुपये प्रति दिन से शुरू होते हैं. सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज विभाग के उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) घुफरान आलम ने कहा सैमसंग में, हम सार्थक डिजिटल नवाचार के माध्यम से अपने उत्पादों की सुलभता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. सैमसंग फाइनेंस+ का उद्देश्य ग्राहकों को बिना किसी वित्तीय बोझ के नवीनतम तकनीक अपनाने में सक्षम बनाना है. हमारे नए ऑफर्स के साथ, हम भारतीय परिवारों के लिए नवाचार को अपनाना और अपने घरों को अपग्रेड करना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहे हैं.

सैमसंग ने लॉन्च किए बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी

इंदौर. सैमसंग ने भारत में अपनी नई बीस्पोक एआई विंडफ्री इंवर्टर स्प्लिट एसी रेंज लॉन्च की है. इस नई सीरीज़ में 23 मॉडल शामिल हैं, जिनकी शुरुआती कीमत 32,940 रूपये रखी गई है. कंपनी ने इसे बढ़ते तापमान और ऊर्जा दक्षता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश किया है. यह एसी एआई एनर्जी मोड के जरिए 30% तक बिजली बचाने की सुविधा देते हैं. नई रेंज में एआई फास्ट और कंफर्ट कूलिंग तकनीक दी गई है, जो कमरे की स्थिति और उपयोग के पैटर्न का विश्लेषण कर तेजी से कूलिंग शुरू करती है. इससे कमरे का तापमान तेजी से कम हो जाता है और तुरंत राहत मिलती है. तापमान कम होने के बाद, जब कमरे का टेम्प्रेचर मनचाहे स्तर पर आ जाता है, तो सिस्टम विंडफ्री/ड्राई कंफर्ट मोड पर चला जाता है ताकि आरामदायक कूलिंग बनी रहे. यह हवा को बहुत हल्के तरीके से छोटे-छोटे छेदों से फैलाता है, जिससे तेज और ठंडी हवा सीधे नहीं लगती.

फोर्स मोटर्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार राजस्व हासिल किया

इंदौर. फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025-26 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की. कंपनी ने अब तक का अपना अभूतपूर्व और सबसे शानदार वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसका मुख्य कारण हर तिमाही में निरंतर बेहतर कार्य-प्रदर्शन, बेहतर ऑपरेटिंग लीवरेज और अपने सभी उत्पाद सेगमेंट में व्यापक विकास रहा है. पिछले वर्ष की तुलना में कुल थोक बिक्री में 20% की वृद्धि दर्ज की गई. ट्रैवेलर प्लेटफॉर्म ने लगातार 70% से अधिक सेगमेंट हिस्सेदारी बनाए रखी. अर्बानिया ने वर्ष के दौरान 100% से अधिक की वृद्धि दर्ज की. प्रदर्शन के बारे में फोर्स मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रसन फिरोदिया ने कहा, हम अपनी शुरुआत से ही सेगमेंट क्रिएटर रहे हैं, और अब हम अर्बानिया की मजबूत उपस्थिति के साथ प्रीमियम शेयर्ड मोबिलिटी सेगमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जबकि ट्रैवलर और ट्रैक्स जैसे प्लेटफॉर्म बाजारों में निरंतर पैमाना और पहुंच प्रदान कर रहे हैं.

रक्तदान के लिए दीपक नाईक सम्मानित

इंदौर. विगत रविवार को संतोष सभागृह में एक गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें कला, साहित्य, खेल, पत्रकारिता एवं समाजसेवा से जुड़े विभिन्न लोगों को उनकी सेवाओं निमित्त सम्मानित किया गया. रक्तदान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में ऑन पेपर सर्वाधिक बार होल ब्लड डोनेशन हेतु रक्तदीप के नाम से प्रसिद्ध दीपक विभाकर नाईक को सम्मानित किया गया. सम्मान के रूप में उन्हें अंगवस्त्र और अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया. ये सम्मान उन्हें वरिष्ठ पत्रकार आदित्य उपाध्याय और अन्य अतिथियों ने प्रदान किया.

अमेजन प्राइम डे इस जुलाई भारत में लौटेगा

इंदौर. अमेज़न ने आज घोषणा की कि प्राइम डे जुलाई 2026 में भारत में आयोजित किया जाएगा. प्राइम सदस्य इस दसवें प्राइम डे में शानदार डील्स, बचत, नए लॉन्च, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन और बहुत कुछ का आनंद ले सकेंगे। इस साल का इवेंट और भी खास होगा, जिसमें लोकप्रिय ब्रांड्स, ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स और नए लॉन्च पर आकर्षक ऑफर मिलेंगे। प्राइम सदस्य इलेक्ट्रॉनिक्स, किचन, ब्यूटी, फैशन, ताज़ा ग्रोसरी और रोजमर्रा की ज़रूरी चीज़ों समेत कई कैटेगरी में बेहतरीन ऑफर्स का फायदा उठा सकेंगे. 2025 में अमेज़न इंडिया ने प्राइम सदस्यों के लिए अपनी अब तक की सबसे तेज डिलीवरी स्पीड की घोषणा की, जिसमें 55 करोड़ से अधिक उत्पाद उसी दिन या अगले दिन डिलीवर किए गए- जो साल-दर-साल आधार पर 40% की वृद्धि है.

चार दिनी कन्या कौशल शिविर शुरू

सेंधवा, (नवभारत)। गायत्री धाम सेंधवा में चार दिवसीय कन्या कौशल शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल की उपस्थिति रही। पहले दिन 189 बालिकाओं का पंजीयन कर योग, प्राकृतिक चिकित्सा और कॅरियर मार्गदर्शन सत्र किए गए।

सेंधवा के गायत्री धाम में शुक्रवार से चार दिवसीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन प्रारंभ हुआ। शिविर में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से 189 बालिकाओं का पंजीयन हुआ। प्रथम दिन बालिकाओं का पंजीयन किया गया और शाम के सत्र में गायत्री धाम के संस्थापक मेवालाल पाटीदार द्वारा शिविर के उद्देश्य, आवश्यकता और आश्रम प्रांगण का परिचय देते हुए अनिवार्य अनुशासन से अवगत कराया गया।

योग-प्राकृतिक चिकित्सा और प्रेरक सत्र के प्रथम दिन का शुभारंभ सुबह 4 बजे मंत्र विज्ञान और योगा से हुआ। देवदर्शन के उपरांत प्रथम सत्र में मेवालाल पाटीदार द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा पर जानकारी दी गई, जिसमें पंच तत्व, विभिन्न बीमारियों के लक्षण और उनके प्राकृतिक उपचार शामिल रहे। इसके बाद दूसरा सत्र जागृति चावड़ा (जिला संयोजक राष्ट्रीय स्वयं सेवक) द्वारा लिया गया। जिसमें उन्होंने पंच परिवर्तन, संस्कृति और संस्कार पर जानकारी देते हुए वर्तमान समय में सावधानी और साहस रखने की बात कही।

बच्चों से की चर्चा

भोजन उपरांत जिले के एसपी शुक्ल द्वारा प्रेरणास्पद चर्चा की गई। उन्होंने बालिकाओं को गार्गी, प्रहलाद और विवेकानंद के प्रसंगों के माध्यम से ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म के संबंध में बताया। इसके उपरांत दीक्षा गुप्ता द्वारा कॅरियर गाइडेंस पर चर्चा की गई, जिसमें बालिकाओं को भविष्य की दिशा तय करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

समर कैम्प में बच्चे सीख रहे कला कौशल

▶ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में किया जा रहा है आयोजन

बड़वानी, (नवभारत)। एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बच्चे उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। कैम्प का उद्देश्य बच्चों को अवकाश के दौरान सकारात्मक दिशा प्रदान करते हुए उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को सुदृढ़ करना है। कैम्प के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिससे वे भविष्य में एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बन सके।

कई गतिविधियों का दिया प्रशिक्षण

समर कैम्प के अंतर्गत बच्चों को रनिंग, योगा, पीटी, डांस, चित्रकला, पेंटिंग एवं फुटबॉल सहित विभिन्न खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की शारीरिक दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आत्मरक्षा के मूलभूत कौशल भी सिखाए जा रहे हैं। कैम्प के दौरान बच्चों को साइबर सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है।

पेटलावद में महिलाओं से चेन छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार

▶ पुलिस की कार्रवाई में लूट का माल और हथियार भी जब्त

पेटलावद। नगर में चेन झपटने की दो वारदातों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इसके साथ ही एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर सोने की चेन और एक देशी कट्टा जब्त किया है। चेन की कीमत करीब 2 लाख 70 हजार रुपए बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार 25 अप्रैल को निशा भण्डारी अपनी पोती को कोचिंग छोड़ने जा रही थीं। इसी दौरान उदय गार्डन के पास मोटर साइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। इस संबंध में थाना पेटलावद में प्रकरण दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक शिव दयाल सिंह के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा आधुनिक तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र का प्रभावी उपयोग करते हुए 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया।

सूचना के आधार पर आरोपी सुनिल वसुनिया (23) निवासी ग्राम खवासा को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से एक 12 बोर देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथी रोशन माल के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने की चेन भी बरामद की। कार्रवाई में पेटलावद टीआई निर्भयसिंह भूरिया, एसआई अर्चना चौहान, गोवर्धन मकवाना, हीरालाल मालीवाड, एएसआई लाखनसिंह भाटी, हवलदार भगतसिंह, पवन चौहान, विजेन्द्रसिंह, रविन्द्र अमलियार, पप्पुसिंह और आरक्षक राहुल मुजाल्दा, रविन्द्र बरडे, राकेश डामर, राजेन्द्र परिहार के साथ ही तकनीकी टीम ने भी सहयोग किया।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन आज

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर योजना का मुख्यमंत्री 3 मई को भूमिपूजन करेंगे. उक्त योजना पर सरकार को 2360 करोड़ रुपए की लागत आएगी. योजना में 1300 हेक्टेयर जमीन पर विकसित होगी. इसमें किसानों 60 प्रतिशत प्लॉट आवंटित किए जाएंगे.

इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क योजना के प्रथम चरण का भूमि पूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 मई को दोपहर 12 बजे सेक्टर ए. ग्राम नैनोद में करेंगे. योजना के पहले चरण की लागत 326.51 करोड़ है. उक्त योजना के लिए मुख्यमंत्री ने किसानों हित में निर्णय लेकर प्लॉट एरिया बढ़ाने की सहमति दी थी. उक्त निर्णय योजना के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है और योजना में किसान स्वेच्छा से अपनी भूमि देने के लिए आगे आ रहे है. विकसित प्लॉट मिलने से भू स्वामियों को भविष्य में अधिक मूल्य प्राप्त होने की संभावना बढ़ जाती है. साथ ही विकसित भूमि का उपयोग वे आवासीय, वाणिज्यिक अथवा अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए कर सकेंगे.

इकोनॉमिक कॉरिडोर की विशेषता

इंदौर पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क 75 मीटर चौड़ी, 20 किलोमीटर लंबी सड़क है. सड़क के दोनों ओर 300-300 मीटर में विकसित होने वाली इस परियोजना में 1300 हेक्टेयर से अधिक भूमि शामिल है. उक्त सड़क की लागत 2360 करोड़ है, यह योजना न केवल क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करेगी, बल्कि भूमि देने वाले किसानों को प्रत्यक्ष एवं दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी देगी.

फोनपे एसबीआई कार्ड पर सेविंग्स करने का मौका

इंदौर. अब चाहे ऐप से राशन मँगाना हो, कैब बुक करनी हो या यूटिलिटी बिलों का पेमेंट करना हो- आज का कंज्यूमर सारे काम ऑनलाइन करता है. आज के दौर में, चेकआउट बटन ही कैश काउंटर बन गया है और डिजिटल ट्रांजेक्शन लोगों की आदत बन गई है. भले ही हमारे खर्च करने के तरीके बदल गए हों, लेकिन हमारे रिवार्ड्स पाने के तरीके अभी भी वैसे ही हैं. यहीं फोनपे एसबीआई कार्ड गेम चेंजर बनता है। डिजिटल-फर्स्ट लाइफस्टाइल के लिए बनाया गया यह कार्ड रिवॉर्ड्स को सुपर सिंपल बनाता है- अब आप जितना ऑनलाइन खर्च करेंगे, उतने रिवॉर्ड्स कमाएंगे. चाहे रोज़ाना के बिल हों, इंस्टेंट रिचार्ज या फिर ऑनलाइन शॉपिंग- यह कार्ड आपको सभी ऑनलाइन ब्रांड्स पर फ्लैट 5% रिवॉर्ड देता है. इसका यूनिवर्सल रिवॉर्ड्स स्ट्रक्चर यह सुनिश्चित करता है कि आपको हर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन पर कुछ न कुछ मिले. रोजाना के खर्चों पर पर सीधा 10% रिवार्ड्स मिलता है.

जिम्मेदारों की मिलीभगत के कारण सटोरियों सहित शराब माफियाओं के हौंसले बुलंद

पेटलावद। नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध सट्टा और शराब का कारोबार दिनदहाड़े फल-फूल रहा है। सटोरिए और शराब माफिया बेखौफ अपना अवैध कारोबार कर रहे हैं, जबकि पुलिस की कार्रवाई महज खानापूर्ति और दिखावा बनकर रह गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि माफियाओं को कहीं न कहीं संरक्षण मिल रहा है, जिससे उनके हौंसले आसमान छू रहे हैं। पेटलावद नगर में कुछ चाय की दुकानों, शंकर मंदिर के आसपास, गांधी चौक में पशु चिकित्सालय के आसपास ओर भी कुछ स्थानों पर सटोरिए सक्रिय है। युवा और बेरोजगार युवक इस जाल में फंसकर तबाह हो रहे हैं। शराब की बात करें तो अवैध देशी-विदेशी शराब की सप्लाई अनवरत जारी है। जगह-जगह होटलों और ढाबों पर खुलेआम अवैध शराब परोसी जा रही है और

पुलिस कभी-कभी छोटे मछलियों को पकड़कर खबर लगवा देती हैं। दो-चार पेटियां शराब जब्त, कुछ सटोरियों को हिरासत में लिया, लेकिन बड़े माफिया और उनके सरगना पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि पिछले दिनों पुलिस ने एक बड़े क्रिकेट सटोरियों पर कार्रवाई जरूर की थी लेकिन आज भी कई छोटे - बड़े सटोरिए सक्रिय है और सूत्रों की माने तो पुलिस उन सटोरियों के बारे में भली - भांति जानती है।

स्थानीय लोग बताते हैं, पुलिस आती है, फोटो खिंचवाती है, कुछ जब्त करती है और फिर माफिया अगले ही दिन अपना धंधा शुरू कर देते हैं। क्षेत्र के कुछ सफेदपोश और प्रभावशाली लोगों के नाम भी चर्चा में हैं, जिनके संरक्षण में यह पूरा नेटवर्क चल रहा है। क्या पेटलावद में कानून का राज सिर्फ कागजों तक सीमित है? क्या सट्टा और शराब माफियाओं के खिलाफ असली अभियान कभी चलेगा, या यूं ही खानापूर्ति की खबरें बनती रहेंगी?

जब तक बड़े माफियाओं की कमर नहीं टूटती, तब तक पेटलावद सहित पूरे क्षेत्र में युवाओं का भविष्य सट्टे और नशे की भेंट चढ़ता रहेगा। प्रशासन को अब सिर्फ दिखावा नहीं, सच्ची और सख्त कार्रवाई दिखानी होगी। जनता की मांग है की तुरंत बड़े स्तर पर संयुक्त अभियान चलाया जाए, सट्टा और शराब सप्लाई चेन पर शिकंजा कसा जाए, वरना हौंसले बुलंद माफियाओं का यह खेल और खतरनाक रूप ले सकता है। पेटलावद नगर में तो चोरों के भी होंसले बुलंद है जो दिन दहाड़े दो दिन पूर्व ही महावीर कॉलोनी से एक महिला के गले से चेन लुट कर फरार हो गए हैं और पुलिस अभी तब इन चोरों तक नहीं पहुंच पाई है। इन दिनों पुलिस की कार्य प्रणाली से आमजन अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर जो युवाओं का भविष्य खराब कर रहे है उन पर पुलिस की आखिर कब होगी प्रभावी कार्रवाई जिसका आमजन को इंतजार है।